केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 18 गुरूवार 6 अगस्त 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

स्वतंत्रता दिवस को भव्यता से मनाने की तैयारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, । स्वतंत्रता दिवस समारोह दिवस 15 अगस्त 2026 को भव्यतापूर्वक मनाये जाने के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। सभा में उपस्थित विभिन्न सामाजिक संगठनों व स्वयं सेवी संस्थानों के प्रतिनिधि तथा प्रशासनिक अधिकारी आगामी स्वतंत्रता दिवस को परम्परागत तरीके से मनाये जाने के लिए आपसी समन्वय से अपनी सहमति प्रकट की। सभी लोगों ने एक साथ एकता के प्रतीक स्वरूप एक फोटोग्राफ संयुक्त रूप से दिये।

जनपद में स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय दिवस मनाये जाने हेतु निर्धारित प्रमुख बिन्दुओं पर मुख्य राजस्व अधिकारी ने नामित पदाधिकारी एवं समाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से विस्तृत चर्चा किया।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जो भी उत्तरदायित्व सौंपे गये हैं, उसको तत्परता से प्रतिभाग करते हुए उल्लासपूर्ण वातावरण में राष्ट्रीय कार्यक्रम सम्पन्न करायें। मुख्य राजस्व अधिकारी ने कहा कि प्रातः 08 बजे समस्त सरकारी व गैर संस्थानों पर ध्वजारोहण किया जायेगा तथा महापुरूषों की मूर्तियों पर माल्यार्पण भी किया जायेगा। आयोजन स्थल/मूर्ति स्थल पर साफ–सफाई विशेष रूप से कराये जाने के लिए ईओ नगर पालिका/नगर पंचायत तथा ग्राम पंचायतों हेतु डीपीआरओ को निर्देशित किया।

स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों के साथ खिलाड़ियों, नागरिक संगठनों तथा समाज के विभिन्न व्यवसाय के प्रतिनिधियों द्वारा तिरंगा प्रभात फेरी निकाली जायेंगी। शिक्षण संस्थानों में आजादी के अमर शहीदों को याद किया जायेगा, उनकी स्मृति में युवा कवि सम्मेलन तथा राष्ट्रभक्ति पर कवि सम्मेलन एवं मुशायरा का आयोजन किया जायेगा।

बैठक में उपजिलाधिकारी सदर हिमांशु कुमार, राजेश यादव, उपकृषि निदेशक अशोक कुमार, जिला आबकारी अधिकारी राजेश कुमार, एसीएमओ डा0 ए0के0 चौधरी, एलडीएम आर0ए0 मौर्य, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक संजय सिंह, डीपीआरओ घनश्याम सागर, ईओ नगरपालिका अंगद गुप्ता, जिला पूर्ति अधिकारी विमल शुक्ला, प्रधानाचार्य जीआईसी डा0 विजय वर्मा, समाजिक संगठनों के डा0 वी0के0 वर्मा, सरदार जगवीर सिंह, स्कन्द शुक्ला, अनुराग श्रीवास्तव, जीशान हैदर रिजवी, के0के0 उपाध्याय, किशोरी लाल, आशुतोष नारायण मिश्र, चन्द्रप्रकाश शर्मा, महेन्द्र तिवारी, वी0के0 तिवारी सहित विभागीय अधिकारी व संस्थानों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

रेलवे प्लेटफार्म के पास मिली लाश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती रेलवे स्टेशन पर बुधवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब प्लेटफॉर्म नंबर तीन के पूर्वी छोर के पास एक अज्ञात व्यक्ति का क्षत–विक्षत शव पड़ा मिला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, व्यक्ति की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है और शव दो हिस्सों में बंटा मिला। सूचना मिलते ही जीआरपी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में 72 घंटे के लिए सुरक्षित रखवाया है। जीआरपी थानाध्यक्ष बांके लाल ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष प्रतीत होती है। उसके पास ऐसा कोई पहचान पत्र, मोबाइल या अन्य दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके।

हंगामे के बीच मानसून सत्र एक दिन पहले स्थगित

लखनऊ (आभा)। यूपी विधानसभा का मानसून सत्र एक दिन पहले ही बुधवार को समाप्त कर दिया गया। समाजवादी पार्टी के भारी हंगामे और बवाल के बीच स्पीकर सतीश महाना ने सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी। पहले इस सत्र की कार्यवाही छह अगस्त गुरुवार तक चलनी थी। विधानसभा इस तरह अचानक स्थगित होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर हमला किया। कहा कि सपा ने सदन में कोई चर्चा नहीं होने दी। उनका यह आचरण महिला, किसान, युवा विरोधी है। कहा कि 59000 करोड़ के अनुपूरक बजट से हर वर्ग के लिए धनराशि की व्यवस्था की गई है। सपा नहीं चाहती थी कि सरकार विकास के कार्यों को आगे बढ़ाए, इसलिए सदन की कार्यवाही में व्यवधान पैदा किया। सपा के इस रुकावट के बाद भी अनुपूरक बजट को पास कराया गया है। मंगलवार की तरह बुधवार को भी सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही राम मंदिर चढ़ावा चोरी और अपने विधायक के निलंबन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी गई थी। इस हंगामे को लेकर स्पीकर महाना भी बेहद भावुक नजर आए। उन्होंने यहां तक कह दिया कि मुझे यह देखना होगा कि इस कुर्सी के लायक हूं या नहीं। विधानसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बाद सीएम योगी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ने एकबार फिर से अपना जन विरोधी चेहरा दिखा दिया है।

परिसीमन पर चर्चा के लिए विशेष सत्र बुला सकती है सरकार

नई दिल्ली (आभा)। सरकार परिसीमन पर चर्चा के लिए 16 से 18 अगस्त तक संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को संसद में राहुल, प्रियंका सहित अन्य कांग्रेस सांसदों से मुलाकात की।

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि किरेन रिजिजू ने आज परिसीमन के मुद्दे पर उनसे बात की। हम इस पर विचार करके उन्हें जवाब देंगे। कांग्रेस और विपक्ष का रुख पहले जैसा ही है।

इससे पहले विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे समेत विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी करते हुए गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक मार्च निकाला।

उधर सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल राज्यसभा में पास हो गया है। 3 अगस्त को इसे लोकसभा से पास किया गया था। अब सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 34 से बढ़कर 38 हो जाएगी।

बसपा ओबीसी सामाजिक भाईचारा समीक्षा बैठक में सांगठनिक मजबूती पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी ओबीसी सामाजिक भाईचारा अन्य पिछड़ा वर्ग संगठन बस्ती सदर विधानसभा स्तरीय समीक्षा बैठक हल्दीर नगरा गांव में आयोजित की गई। बैठक में ओबीसी समाज के लोगों को बहुजन समाज पार्टी से अधिक से अधिक जोड़ने तथा बसपा सरकार के कार्यकाल में ओबीसी समाज के हित में किए गए कार्यों को जन–जन तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ओबीसी सामाजिक भाईचारा बस्ती मंडल के मुख्य मंडल संयोजक के.पी. राठौर और संचालन जिला संयोजक एडवोकेट अनूप कुमार ने किया।

बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये बसपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट भीम राजभर ने कहा कि पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता बहन मायावती के संदेश को जनता तक ले जांय और बूथ स्तर के तैयारियों की नियमित समीक्षा करते रहे। विशिष्ट अतिथि पूर्व लोकसभा प्रत्याशी लवकुश पटेल, ओबीसी सामाजिक भाईचारा के जिला संयोजक के.सी. मौर्य ने बसपा सरकार के दौरान ओबीसी समाज के हित में किए गए कार्यों की जानकारी दी। कहा कि समाज के सभी वर्गों तक पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को पहुंचाकर वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाने के लिए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना होगा। कहा कि बूथ जीत गये तो चुनाव जीत जायेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते के.पी. राठौर ने उपस्थित लोगों का आवाहन किया कि वे पार्टी के नीति, कार्यक्रम को जन–जन तक ले जाय और बसपा के नीति, कार्यक्रम की जानकारी दे। संचालन करते हुये जिला संयोजक एडवोकेट अनूप कुमार ने कहा कि परस्पर एकजुटता और भाई चारा से राजनीतिक, सामाजिक लक्ष्य पूरे होंगे। बैठक में अनेक लोगों ने बसपा की सदस्यता लिया।

बैठक में गोंड महेश चंद्रवंशी, दीपलाल भारती, उमाशंकर राव, आनंदपाल उर्फ बबलू पाल, शत्रुघ्न यादव, सुरेन्द्र कुमार चौधरी, चौधरी राम सिंह पटेल, अभय पटेल सिल्लो, दिवाकर, शहाबुद्दीन शाह, महेश कुमार, अनिल कुमार मौर्य, दयाशंकर गौतम, शिवकुमार प्रजापति, राजेंद्र प्रसाद, गुलाब चंद्र राव, असरफी लाल, अभिषेक कुमार, राम उजागिर गुप्ता, रामचंद्र यादव, कृष्णानंद प्रजापति, मनीराम चौधरी, धिराऊ चौधरी, बजरंगी प्रसाद चौधरी, रामकुमार पाल, महेन्द्र कुमार गौड़, जैशराम चौधरी, मुकेश चौधरी, ओरी मौर्य, शिवप्रसाद चौहान, उदयभान चौधरी, रमाकान्त यादव, रामकेश चौधरी, आसाराम चौहान, विष्णु चौधरी, मनोहर निषाद, मनोरथ गौड़, राजन गौड़, हरिराम पासवान, टिकोरी यादव, ध्रुवनाथ चौहान, परशुराम राजभर, नन्दलाल, चन्द्रभान, पल्टनराम, रामअवध, काली चरन, राममिलन, जगन्नाथ सहित बड़ी संख्या में बसपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जयन्ती पर याद किये गये छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी चिन्तक अपनों में छोटे लोहिया के रूप में लोकप्रिय पूर्व केन्द्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। बुधवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय में उपाध्यक्ष जावेद पिण्डारी की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने उन्हें याद किया। मो. स्वाले, डा.आरडी. गोस्वामी, मुरली पाण्डेय, मु सलीम, अजीत सिंह आदि ने कहा कि वे आखिरी सांस तक समाजवादी थे और उन्हें समाजवाद की चलती फिरती पाठशाला कहा जाता था। राजनीति में उन्होने सदैव सादगी बनाये रखी और कार्यकर्ताओं को सर्वोच्च सम्मान दिया। युवा पीढी को उनके जीवन संघर्ष और राजनीतिक उददेश्य से प्रेरणा लेनी चाहिये। कहा कि आज जब देश में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण हो रहा है ऐसे में हमें अपने गंगा जमुनी तहजीब को बचाये रखना होगा, यही जनेश्वर मिश्र जैसे महान नेता के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

–समाजवाद की चलती फिरती पाठशाला थे जनेश्वर मिश्र– जावेद पिण्डारी

सपा नेता गुलाब सोनकर, राघवेन्द्र सिंह, जमील अहमद, संजय गौतम, रामशंकर निराला, अनीस गौतम, गीता भारती, कैलाश शर्मा, रजनीश पाठक, बुद्धिसागर बौद्ध, चन्द्रिका यादव, मो. उमर, रन बहादुर यादव, अरविन्द यादव, अभिषेक यादव, आदि ने जनेश्वर मिश्र को नमन् करते हुये कहा कि जनेश्वर मिश्र के प्रभाव से बडी संख्या में युंवा जुड़े और समाजवादी विचारधारा को देश भर में स्वीकारोक्ति मिली। वक्ताओं ने स्मृतियों को साझा करते हुये कहा कि बस्ती से जनेश्वर मिश्र का विशेष लगाव था, वे जब आते तो सबसे मिलने की कोशिश करते। कहा कि कार्यकर्ताओं के लिये उनके मन में विशेष सम्मान था ।

अध्यक्षता करते हुये जावेद पिण्डारी ने कहा कि सादगी उनके राजनीति की विशेषता थी। उन्होने कभी दिखावें की राजनीति नहीं की और गांव, गरीब, आम आदमी की पीड़ा में सड़क से संसद तक स्वर देते रहे। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। कहा कि सात बार केन्द्रीय मंत्री रहने के बाद भी उनके पास न अपनी गाड़ी थी और न ही बंगला। इनके नाम पर लखनऊ में एशिया का सबसे बड़ा सुन्दर पार्क सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव के प्रेरणा से उत्तर प्रदेश के पूर्व युवा मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा निर्माण कराया गया। ऐसे महापुरुष को सदैव स्मरण किये जाने की जरूरत है। जयन्ती पर जनेश्वर मिश्र को नमन् करने वालों में अरविन्द सोनकर, मंशाराम कन्नौजिया, प्रशान्त यादव, लालमन यादव, विजय लक्ष्मी, राधा, प्रिया श्रीवास्तव, राजेश यादव, मधुबन यादव, राहुल सिंह, रोहितेश्वर सिंह, दिनेश तिवारी, घनश्याम यादव, डा. राम प्रकाश सुमन, नित्यानंद चौधरी, अनवर अली, उदयराज विश्वकर्मा, देवनाथ यादव, मो. युनूस आलम, महेन्द्र यादव, गिरीश चन्द्र, अखिलेश यादव, दीपक आर्या, अजीत सिंह विपिन, बदरूल हसन, विलाल अहमद, विवेक यादव 'डिम्पल', भोलू खान, वैजनाथ शर्मा, अकबर अली, गिरीश चन्द्र, चन्दभान यादव, अशोक कुमार यादव, सुभाष यादव, फूल यादव, गौरव यादव के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

नवागत मण्डलायुक्त वैभव श्रीवास्तव ने संभाला कार्यभार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लखनऊ में पीसीडीएफ के प्रबंध निदेशक के पद पर कार्यरत आईएएस अधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने सर्किट हाउस पहुंचकर बस्ती मंडल के नए मंडलायुक्त के रूप में अपना कार्यभार संभाल लिया है।

सर्किट हाउस पहुंचने पर उन्हें पुलिस द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने के बाद नवागत बस्ती मंडलायुक्त वैभव श्रीवास्तव ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि शासकीय कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंडल के तीनों जिलों (बस्ती, सिद्धार्थनगर और संत कबीर नगर) में विकास कार्यों को तेजी से पूरा कराया जाएगा और जनसमस्याओं का मौके पर ही गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित होगा। इस दौरान अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

कावडियों की 24 घंटे सेवा करेगा विश्व हिन्दू महासंघ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को विश्व हिन्दू महासंघ की मासिक बैठक प्रेस क्लब सभागार में जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में हिन्दू हितों की रक्षा के साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव में महासंघ की भूमिका और रणनीति पर विचार किया गया। निर्णय लिया गया कि कांवरिया शिवभक्तों की सेवा के लिए अयोध्या से लेकर बस्ती तक हर 5 किलोमीटर पर विश्व हिंदू महासंघ की 20 सदस्यीय टीम 24 घंटे उपलब्ध रहेगी।

बैठक को सम्बोधित करते हुये महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने हिन्दू अस्मिता की रक्षा और सनातन परम्परा को मजबूती देने के लिये सर्वाधिक कार्य किया है। कहा कि कांवड़ यात्रा में विश्व हिन्दू महासंघ पूरी ताकत से जुटेगा और स्थान–स्थान पर कावडियों की सेवा की जायेगी। उन्होने कहा कि मजबूत संगठन से ही लक्ष्य पूरे होंगे। जिला पदाधिकारियों को सभी ब्लॉकों का प्रभारी नियुक्त किया गया है, वे शेष ब्लॉकों का शीघ्र गठन करेंगे।

बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश कार्य समिति सदस्य अभय सिंह रघुवंशी, जिला प्रभारी शिवलाल प्रेमी , सनातन रक्षा वाहिनी अध्यक्ष विवेक श्रीवास्तव, युवा मोर्चा जिल अध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी, गौ रक्षा जिला अध्यक्ष वशिष्ठ मुनि दुबे , जिला महामंत्री बालकृष्ण सिंह, विपिन सिंह राजकुमार और मंटू चौधरी, राकेश सिंह, जिला उपाध्यक्ष दीपक सोनी सुनील मिश्रा, जमुना प्रसाद कनौजिया जिला मंत्री रवि शुक्ला अरुण गुप्ता उपेंद्र सिंह आलोक सिंह के साथ ही ब्लॉक अध्यक्ष सदर शिवम मिश्रा नगर अध्यक्ष अभिषेक आर्य गौ रक्षा के जिले के पदाधिकारी हरिश्चंद्र चौधरी पवन सिंह रामचन्द्र गौतम, बंसीलाल गौतम चंद्रमणि त्रिपाठी, गौर ब्लॉक अध्यक्ष महेन्द्र पाठक, आनंद सिंह, दयाशंकर सिंह, शैलेंद्र कुमार, विनोद कुमार, रितेश कुमार मिश्रा, रमेश चंद चौधरी राजेश त्रिपाठी, रोहन, अतुल सिंह, सुमित सिंह, शिवम दुबे, तुलसी सिंह, सुमित सिंह, राजेश त्रिपाठी, कुलदीप मिश्रा, राहुल, सौरभ विश्वकर्मा, अंकित सिंह, अभय चौधरी, रुद्र नरायन गौड़ के साथ ही बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

–मजबूत संगठन से पूरे होंगे लक्ष्य– अखिलेश सिंह

सामाजिक मूल्यों के संवाहक हैं शिक्षक– संजय कुमार शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में बुधवार को तीन दिवसीय प्रज्ञा प्रवाह प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों में मानवीय एवं संवैधानिक मूल्यों, राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 तथा राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा– 2023 के प्रति गहन समझ विकसित करना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल एवं वरिष्ठ प्रवक्ता महेंद्र नाथ त्रिपाठी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्राचार्य ने कहा कि शिक्षक केवल विषय का अध्यापन करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि समाज में मूल्यों का संवाहक होता है। उन्होंने कहा कि जब शिक्षक स्वयं मानवीय एवं संवैधानिक मूल्यों को अपने व्यवहार में अपनाएंगे, तभी विद्यार्थियों में जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित होगी। वरिष्ठ प्रवक्ता ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे नागरिक तैयार करना है, जो संविधान की भावना, कर्तव्यों और मानवीय मूल्यों के अनुरूप आचरण करें।

प्रशिक्षण की नोडल डॉ. ऋचा शुक्ला ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम में मानवीय मूल्य, राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा–2023, संवैधानिक मूल्य एवं मौलिक कर्तव्य तथा मूल्यों के विकास में प्रभावी संप्रेषण की भूमिका जैसे विषयों पर संवादात्मक एवं गतिविधि आधारित सत्र आयोजित किए जाएंगे। प्रथम दिवस पर प्रवक्ता अलीउद्दीन ने मानवीय मूल्यों का परिचय, शांति दर्शन त्रिपाठी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा–2023 के परिप्रेक्ष्य में मानवीय एवं संवैधानिक मूल्य, डॉ. ऋचा शुक्ला ने संवैधानिक मूल्य एवं मौलिक कर्तव्य तथा वंदना चौधरी ने मूल्यों के विकास में परिवार एवं समाज की भूमिका पर अपने विचार साझा किए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम मे प्रवक्ता डॉ रविनाथ, डॉ गोविंद प्रसाद, सरिता चौधरी, कनिष्ठ सहायक नवनीत वर्मा, अनिल चौधरी तथा डीएलएड प्रशिक्षु आकाश एवं ज्ञानेंद्र ने सहयोग प्रदान किया।

–डायट में तीन दिवसीय प्रज्ञा प्रवाह प्रशिक्षण का शुभारंभ

प्राथमिक शिक्षक संघ के संयुक्त बैठक में गूंजा बस्ती के शिक्षक समस्याओं का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश कार्यसमिति, मांडलिक मंत्री, जनपदीय अध्यक्ष एवं जनपदीय मंत्रीगणों की संयुक्त बैठक डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ भवन, लखनऊ में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता तथा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं संरक्षक अभिमन्यु प्रसाद त्रिपाठी के मार्गदर्शन में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में संघ के बस्ती जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने शिक्षक समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और कहा कि अपने अधिकारों को हासिल करने के लिये संघर्ष और तेज करना होगा।

यह जानकारी देते हुये संघ के बस्ती जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि बैठक में प्रदेश के विभिन्न मंडलों एवं जनपदों से आए अध्यक्षों, मंत्रियों तथा प्रदेश कार्यसमिति के पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने, शिक्षकों की लंबित समस्याओं के निराकरण, सदस्यता अभियान, संगठनात्मक विस्तार तथा आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तृत विचार–विमर्श किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सदैव शिक्षकों के सम्मान, अधिकारों एवं हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने सभी मांडलिक एवं जनपदीय पदाधिकारियों का आह्वान किया कि वे संगठन की नीतियों को प्रत्येक शिक्षक तक पहुँचाकर संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाएं।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं संरक्षक अभिमन्यु प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि संगठन की सबसे बड़ी शक्ति उसकी एकता, अनुशासन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन की गरिमा बनाए रखते हुए शिक्षक हितों के लिए निरंतर संघर्षरत रहने का आह्वान किया।

बैठक में बस्ती के जिला अध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने संगठनात्मक मजबूती, शिक्षक समस्याओं के प्रभावी समाधान तथा जनपद स्तर पर संगठन की सक्रियता बढ़ाने पर अपने विचार रखे। वहीं जनपद बस्ती के कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव ने संगठन की वित्तीय सुदृढ़ता, सदस्यता विस्तार तथा सभी पदाधिकारियों के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में उपस्थित सभी मांडलिक एवं जनपदीय पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती, शिक्षकों के हितों की रक्षा तथा शिक्षा व्यवस्था के उत्थान हेतु एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 6 अगस्त 2026 गुरूवार

सम्पादकीय

बड़े सपने और घटिया निर्माण

लखनऊ—कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 13 जुलाई 2026 को हुआ था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फीता काटा था और उस वक्त इस 63 किलोमीटर लंबे छह लेन के एलिवेटेड कॉरिडोर की तुलना जर्मनी की सड़कों से की गई थी। 4,200 करोड़ रुपये की इस परियोजना का सपना बड़ा था, लेकिन हकीकत उससे कहीं ज्यादा शर्मनाक निकली। उद्घाटन के महज तेरह दिन बाद उन्नाव जिले के कोरारी के पास सड़क का एक बड़ा हिस्सा कई मीटर तक धंस गया। एनएचएआई ने इसे 'रिलपेज की समस्या' और नियमित रखरखाव का हिस्सा बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की, मगर चार दिन बाद ही यही सड़क दोबारा धंस गई। जुलाई खत्म होते–होते यह सिलसिला कम से कम पांच बार दोहराया जा चुका था। जिस सड़क को देश के सबसे महंगे टोल वाले एक्सप्रेसवे के रूप में पेश किया गया, वह हल्की बारिश भी नहीं झेल पाई। सवाल यह नहीं कि बारिश कितनी हुई, सवाल यह है कि जो सड़क सामान्य मानसून के पहले ही झटके में उखड़ जाए, उसकी नींव में आखिर डाला क्या गया था। यह अकेला उदाहरण नहीं है। इसी साल मई के आखिरी हफ्ते में उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में एक निर्माणाधीन पुल का हिस्सा तेज तूफान के दौरान ढह गया था, जिसमें कम से कम छह मजदूरों की जान चली गई थी। जुलाई के मध्य में देहरादून—पांवटा साहिब मार्ग पर टौंस नदी पर बना सोलह करोड़ रुपये का पुल, जिस पर वाहनों की आवाजाही शुरू हुए मुश्किल से एक दिन बीता था, पहली बड़ी बारिश में ही जगह–जगह धंस गया। स्थानीय लोगों का कहना था कि यह पुल पहले भी एक बार बह चुकी अस्थायी पुलिया की जगह जल्दबाजी में बनाया गया था। जून के आखिर में असम में एक पुल पूरी तरह बह गया, और गांव वालों ने बताया कि उन्होंने निर्माण के समय लोहे के बजाय पक्के कंक्रीट के पुल की मांग की थी, जिसे अनसुना कर दिया गया। नतीजा यह हुआ कि नदी पार स्कूल जाने वाले बच्चों और खेतों तक पहुंचने वाले किसानों का रास्ता ही बंद हो गया।

यह पैटर्न किसी एक राज्य या किसी एक ठेकेदार तक सीमित नहीं है, यह पूरे देश के निर्माण तंत्र की बीमारी बन चुका है। संसद में हाल ही में केंद्र सरकार ने खुद स्वीकार किया कि इस समय देश भर में 1,191 नेशनल हाईवे परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं, जिनमें से 629 यानी करीब आधी परियोजनाएं तय समय–सीमा के भीतर पूरी नहीं हो सकीं। इतना ही नहीं, वर्ष 2023–24 से 2025–26 के बीच घटिया गुणवत्ता के काम को लेकर 103 ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। यह आंकड़ा खुद बताता है कि निर्माण में गड़बड़ी कोई इक्का–दुक्का घटना नहीं, बल्कि व्यवस्था का हिस्सा बन चुकी है। इसी दौर में हुए दुर्घटना विश्लेषण के आधार पर देश भर में 6,358 ऐसे सड़क हिस्सों को ब्लैक कॉरिडोरश् के रूप में चिह्नित किया गया है, जहां बार–बार हादसे होते हैं। यानी जिन सड़कों को सुरक्षित और टिकाऊ बताकर जनता के पैसे से बनाया गया, उनमें से हजारों हिस्से खुद खतरे की निशानी बन चुके हैं। सवाल यह भी उठता है कि जब गुणवत्ता की जांच और ठेकेदारों पर कार्रवाई का तंत्र मौजूद है, तो फिर हर मानसून में यही कहानी क्यों दोहराई जाती है। जवाब निर्माण से जुड़े हर व्यक्ति को पता है, मगर खुलकर कोई नहीं बोलता। जहां भी सरकारी निर्माण होता है, वहां कमीशनखोरी एक अघोषित लेकिन तयशुदा नियम बन चुकी है। ठेका मिलने से पहले ही तय हो जाता है कि किस स्तर पर कितना प्रतिशत श्व्यवस्थाश्र में जाएगा, और जब असली निर्माण सामग्री और मजदूरी में से इतना हिस्सा पहले ही निकाल लिया जाता है, तो बाकी बचे बजट में मजबूत सड़क या पुल बनना लगभग असंभव हो जाता है। यही वजह है कि लखनऊ—कानपुर एक्सप्रेसवे जैसी परियोजना, जिसे देश के सबसे आधुनिक कॉरिडोर के रूप में प्रचारित किया गया, दो हफ्ते में मरम्मत का मोहताज बन गई।

निलंबन और ब्लैकलिस्टिंग जैसी कार्रवाइयां देखने में सख्त लगती हैं, लेकिन असर में बेहद कमजोर साबित होती हैं। जांच पूरी होने तक तीन इंजीनियरों को काम से हटाना एक रस्म भर है, क्योंकि आगे चलकर वही अधिकारी किसी और परियोजना में लौट आते हैं। घटिया निर्माण के दोषी ठेकेदार भी काली सूची में डाले जाने के बाद नाम और कंपनी का ढांचा बदलकर नए सिरे से टेंडर भरने लगते हैं। यह खेल इतना पुराना और इतना संगठित हो चुका है कि अब इसे रोकने वाला कोई डर बाकी नहीं बचा। दिलचस्प यह भी है कि अंग्रेजों के जमाने में बने पुल, रेलवे पुल और सड़कें आज भी सौ—सौ साल बाद मजबूती से खड़ी हैं, जबकि आजादी के बाद और खासकर हाल के वर्षों में बनी कई परियोजनाएं उद्घाटन के हफ्तों के भीतर बिखरने लगती हैं। यह फर्क तकनीक की कमी से नहीं, नीयत की कमी से पैदा होता है। देश ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है, और इस सपने की नींव सड़कों, पुलों, रेलवे स्टेशनों और हवाई अड्डों जैसे बुनियादी ढांचे पर ही टिकी है। लेकिन जब हर मानसून में करोड़ों की परियोजनाएं धंसती, बहती और ढहती नजर आती हैं, तो यह सवाल लाजमी हो जाता है कि क्या रफ्तार और गुणवत्ता एक साथ चल भी पा रहे हैं या नहीं। जब तक कमीशन की संस्कृति निर्माण की नींव से नहीं हटाई जाएगी, तब तक हर नया एक्सप्रेसवे, हर नया पुल केवल एक नई सुर्खी बनकर रह जाएगा, जो पहली बारिश में ही उस भ्रष्टाचार की गवाही देने लगेगा, जिस पर वह खड़ा किया गया है।

बांकीपुर की जीत से बदलेगी सियासत की दिशा

—वेद विलास उनियाल—

उपचुनाव का यह नतीजा जहां बीजेपी को आत्ममंथन करने के लिए विवश करता है वहीं विपक्ष की बड़ी पार्टियों को भी यह अवसर नहीं देता कि इस जीत पर जश्न मना सकें। खासकर इस सीट पर जो आरजेडी जमानत नहीं बचा सकी उसके लिए भी बिहार की सीमाओं में स्पष्ट संदेश है। एक राज्य का उपचुनाव का परिणाम किस तरह पूरे देश भर में अपनी धमक दिखा सकता है, इसे बिहार बांकीपुर चुनाव के नतीजे आने के बाद महसूस किया जा सकता है। इस एक सीट ने देश की सियासत के कई संदेश एक साथ दे दिए हैं। बांकीपुर की वह सीट, जिसमें कई कारणों से बीजेपी के लिए चुनाव एक औपचारिक—सा माना जा रहा था वहां उसके प्रत्याशी का लगभग 19 हजार वोटों से पीछे रह जाना सबको चौंकाया है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन का गढ़ मानी गई इस सीट पर जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने जीत हासिल की है। 1995 से बीजेपी यहां कोई चुनाव नहीं हारी थी। इस सीट को नवीन परिवार की सीट कहा जाता रहा है। दूसरी तरफ प्रशांत किशोर की पार्टी विधानसभा चुनाव में 238 में 233 सीटों पर जमानत जब्त करा कर हाशिए पर थी। ऐसे में उपचुनाव का यह नतीजा जहां बीजेपी को आत्ममंथन करने के लिए विवश करता है वहीं विपक्ष की बड़ी पार्टियों को भी यह अवसर नहीं देता कि इस जीत पर उल्लास मना सकें। खासकर इस सीट पर जो आरजेडी जमानत नहीं बचा सकी उसके लिए भी बिहार की सीमाओं में स्पष्ट संदेश है।

वर्ष 2024 मे लोकसभा में अयोध्या की सीट हारने के बाद बीजेपी के लिए बांकीपुर विधानसभा की सीट हारना दूसरा सदमा है। इस चुनाव ने बताया है कि चुनावी रणनीति ठीक हो, मतदाताओं के साथ संवाद हो और लागलपेट के बजाय सहजता से अपने मुद्दों को रखा जाए तो वोट बरस सकते हैं। कुछ महीनों में ही अगर मतदाताओं की सोच में इतना फर्क आया है तो फिर बीजेपी को आकलन करना होगा कि इस अवधि में ऐसे कौन से घटनाक्रम हुए जिनसे मतदाता का मन बिल्कुल बदल गया। बीजेपी ने नामांकन खत्म होने से पहले एकाएक अपनी पार्टी का उम्मीदवार बदला। इससे साथ ही भरत तिवारी के एनकाउंटर को लेकर सवर्णों में निराशा फैली। कहीं न कहीं ऐसे अवसर पर दिल्ली में छात्रों के आक्रोश से भी किसी हद तक माहौल बदला। बीजेपी की कार्यशैली के साथ साथ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बयानों ने भी मतदाताओं को नाराज किया।

बीजेपी के प्रभाव वाले वोट जनसुराज पार्टी को मिले बिना इस तरह की बड़ी जीत हासिल करना संभव नहीं था। प्रशांत किशोर को बीजेपी के मत भी मिले और आरजेडी के भी। साथ ही इस चुनाव ने इस धारणा को भी और सबल बना दिया कि राष्ट्रीय पार्टियों के तौर—तरीके और शैली में जनता कहीं किसी बदलाव की अपेक्षा कर रही है। फिर वह चाहे तमिलनाडु में विजय थलपति को सत्ता थमाना हो या फिर बांकीपुर की सीट उन प्रशांत किशोर को सौंपनी हो, जो अपना पहला चुनाव लड़ रहे थे।

ऐसा नहीं कि प्रशांत किशोर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की खाली की हुई सीट पर जीत कर बड़े नायक बन गए हों। लेकिन उनकी जीत ने सियासत की कई संभावनाओं को सामने रख दिया है। इसका संदेश बिहार सहित पूरे देश के लिए है। प्रशांत किशोर ने राजनीति के मिजाज को बखूबी समझा। बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम से न तो वह विचलित हुए न हताश हुए। उन्होंने कोई अनर्गल बयान नहीं दिया। एसआईआर पर भी वह ज्यादा नहीं बोले। वह जिस तरह बांकीपुर के मतदाताओं के समक्ष गए उसकी थाह मतदाताओं ने ली। बीजेपी या आरजेडी से हताश हो रहे मतदाता ने प्रशांत किशोर को सबसे बेहतर विकल्प माना।

देश में कुछ उपचुनाव ऐसे भी हैं जिन्होंने राजनीति की दिशा और दशा को बदला। आपातकाल के बाद 1977 में हुए चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह पराजित हुई थी। लेकिन दक्षिण भारत में उसे आधार मिला था। यहीं से कर्नाटक की लोकसभा एक सीट चिकमगलूर डीबी चंद्रगौड़ा ने इस्तीफा देकर खाली की थी। इंदिरा गांधी ने यहीं से उपचुनाव लड़ा था। यह उपचुनाव के लिए जनता पार्टी ने जनता दल के कद्दावर नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री वीरेंद्र पाटिल को जिताने के लिए पूरी ताकत लगा दी थी। आपसी मतभेद में जूझ रही जनता पार्टी के लिए चिकमगलूर का परिणाम आगे का संकेत लेकर आया था।

उपचुनाव की बात करें तो पौड़ी संसदीय क्षेत्र में 1981 का चुनाव भारतीय राजनीति का सबसे दिलचस्प रोमांचक चुनाव कहा जा सकता है। यह चुनाव सीधे—सीधे कद्दावर नेता हेमवती नंदन और पीएम इंदिरा गांधी के बीच प्रतिष्ठा का चुनाव बन गया था। हालांकि, चुनाव लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के नेता एचएन बहुगुणा और कांग्रेस के चंद्र मोहन सिंह नेगी के बीच था। एचएन बहुगुणा जनता पार्टी के टूटने पर 1980 में फिर से कांग्रेस में शामिल हुए थे। लोकसभा चुनाव में पौड़ी सीट पर उन्होंने जीत हासिल की थी। लेकिन संजय गांधी से उनका तालमेल नहीं बैठा। यह उनका नैतिक आधार था कि जिस पार्टी को छोड़ा है उसके टिकट पर सांसद बने रहने का औचित्य नहीं है। उन्हें दोबारा जनादेश लेना चाहिए। यही बात कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व को खटकी थी। कांग्रेस ने पांच राज्यों के मुख्यमंत्रियों को प्रचार में उतारा था।

तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी ने दो सभाएं की थीं। 14 जून, 1981 को इस सीट पर ऐतिहासिक चुनाव हुआ था। लेकिन तब कुछ गड़बड़ियों की शिकायत पर मुख्य चुनाव आयुक्त श्याम लाल शकधर ने चुनाव रद्द कर दिया था। दोबारा चुनाव होने पर हेमवती नंदन बहुगुणा ने 42 हजार की लीड लेकर चुनाव जीता था। इस चुनाव का महत्व यह भी था कि देश में चुनाव सुधार और पारदर्शी मतदान के लिए एक नई बहस ने जन्म लिया था।

—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

—ललित गर्ग—

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है। लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय–समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है।

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार–बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता स्वतः समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है।

लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। विश्व समुदाय के सामने भी यह एक गंभीर नैतिक प्रश्न है। यदि लोकतंत्र और मानवाधिकार वास्तव में सार्वभौमिक मूल्य हैं, तो उनका संरक्षण केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और महाशक्तियाँ अनेक अवसरों पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती हैं। यदि यही सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उठ रहे प्रश्नों की भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। मानवाधिकारों का मूल्य भौगोलिक सीमाओं से निर्धारित नहीं होता। जहाँ भी नागरिकों की स्वतंत्रता और सम्मान प्रभावित होता है, वहाँ वैश्विक समुदाय की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दे।

भारत ने हाल की घटनाओं के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति की ओर आकर्षित किया है और वहाँ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा तथा दमन रोकने की आवश्यकता पर बल दिया है। इस प्रकार की अपील को केवल कूटनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी देखा जाना चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया पर लगातार प्रश्न उठ रहे हों, यदि नागरिक असुरक्षा और अविश्वास के वातावरण में जी रहे हों और यदि उनके मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हों, तो विश्व समुदाय की निष्क्रियता भविष्य के लिए और भी गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है। पाकिस्तान की लोकतांत्रिक नीतियों का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि एक ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लोकतंत्र, न्याय और जनाधिकारों की बात करता है, वहीं दूसरी ओर अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में उन्हीं मूल्यों को व्यवहार में उतारने में विफल दिखाई देता है। लोकतंत्र की विश्वसनीयता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि शासन की कार्यशैली से सिद्ध होती है। यदि नागरिक स्वयं को उपेक्षित, असुरक्षित और असहाय महसूस करें, तो लोकतंत्र का दावा खोखला प्रतीत होने लगता है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ सत्ता परिवर्तन की संभावना, स्वतंत्र संस्थाएँ, निष्पक्ष प्रशासन और नागरिकों की गरिमा की रक्षा है। यदि ये तत्व अनुपस्थित हों, तो चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह जाते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हों। मतदाता बिना किसी भय या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, राजनीतिक दल समान अवसर प्राप्त करें और चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास पुनर्स्थापित हो। यह केवल उस क्षेत्र के लोगों के हित में नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और शांति के लिए भी आवश्यक है। विश्व की महाशक्तियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल वक्तव्यों से नहीं होती। जहाँ लोकतांत्रिक संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं, वहाँ समय रहते निष्पक्ष निगरानी, संवाद और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए रचनात्मक प्रयास आवश्यक होते हैं। यदि दुनिया ऐसे मामलों में मौन रहती है, तो लोकतंत्र के सार्वभौमिक मूल्यों की विश्वसनीयता भी कमजोर पड़ती है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की वर्तमान परिस्थितियाँ दुनिया के लिए एक चेतावनी हैं कि चुनाव केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की सबसे बड़ी परीक्षा होते हैं। यदि यह विश्वास टूट जाता है, तो असंतोष, अस्थिरता और संघर्ष की परिस्थितियाँ जन्म लेती हैं। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक पक्ष का समर्थन करने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, न्याय, पारदर्शिता और मानवाधिकारों की रक्षा करने की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को निष्पक्ष दृष्टि से स्थिति का आकलन करते हुए यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि वहाँ के नागरिकों को वही अधिकार और सम्मान मिले, जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के नागरिकों का स्वाभाविक अधिकार है। दुनिया की आँखें अब इस ओर खुलनी चाहिए, क्योंकि जहाँ लोकतंत्र कमजोर होता है, वहाँ अंततः पूरी मानवता की नैतिक शक्ति भी कमजोर पड़ती है।

असम की बाढ़ और पर्यावरणीय क्षति

—नव ठाकुरीया—

जैसे–जैसे पूर्वी असम में बाढ़ का पानी कम हो रहा है और सरकार हजारों प्रभावित परिवारों को फिर से बसाने की कोशिशें शुरू कर रही है, ध्यान धीरे–धीरे ऊपर की ओर नागा पहाड़ियों पर जा रहा है। जुलाई 2026 के दूसरे हिस्से में यहां हुई बेतहाशा बारिश से असम के कई जिलोंकृजैसे शिवसागर, चराइदेव, गोलाघाट और जोरहाटकृमें भयानक बाढ़ आ गई। नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश से निकलने वाली ब्रह्मपुत्र की कई सहायक नदियां अपने साथ गाद और मिट्टी वाला पानी लेकर असम पहुंचीं। इससे हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि डूब गई, लाखों पालतू जानवर और मुर्गियां बह गईं तथा सैकड़ों स्थानीय परिवारों को बेघर होना पड़ा। 2 अगस्त तक असम में आई बाढ़ की इस ताजा लहर में बच्चों समेत 82 लोगों की जान जा चुकी थी और कुछ लोग अभी भी लापता हैं। हजारों परिवार अब भी बाढ़ प्रभावित इलाकों में बने सैकड़ों राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। इनमें से ज्यादातर लोगों के घर, फसलें और पालतू जानवर, जिनमें मुर्गियां भी शामिल हैं, पहले ही बर्बाद हो चुके हैं।

हालांकि 18 से 22 जुलाई के दौरान असम, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड में हुई भारी बारिश, जो 137 मिमी तक दर्ज की गई, इस आपदा का मुख्य कारण थी, लेकिन पहाड़ी इलाकों में इंसानों द्वारा पर्यावरण को पहुंचाए गए नुकसान ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया। पूर्वी असम की प्रमुख नदियोंकृजैसे दिखो, दिसांग, दारिका और जांजीकृमें अचानक पानी और गंदगी का तेज बहाव आया। यह बहाव नदी की क्षमता से कहीं अधिक था और आखिरकार कई जगहों पर तटबंध टूट गए। खबरों के मुताबिक, नागालैंड सरकार ने दिसपुर प्रशासन को संभावित आपदा के बारे में तुरंत चेतावनी दी थी, लेकिन असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण शायद स्थिति की गंभीरता को नहीं समझ पाया। बचाव के लिए तत्काल कदम उठाने वाले प्रभावी आंतरिक चेतावनी तंत्र की कमी और जिला प्रशासनों, खासकर शिवसागर और चराइदेव, की तैयारी न होने से आपदा और भी विकराल हो गई।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम में हुई तबाही पर चिंता जताई और मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में नई दिल्ली में असम के नेताओंकृजिनमें केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल तथा राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया शामिल थेकृके साथ बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। कुछ दिन पहले उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से फोन पर बात की और असम के बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। गृह मंत्री शाह ने भी बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिए सरमा से बात की और राहत, बहाली तथा पुनर्निर्माण के कामों में हर जरूरी मदद का भरोसा दिलाया। इस बीच, पूर्वी असम में बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने आई छह सदस्यीय अंतर–मंत्रालयी केंद्रीय समीक्षा टीम ने अपना काम पूरा कर लिया है। टीम के सदस्यों को असम और नागालैंड में पिछले कुछ हफ्तों में हुई बेतहाशा भारी बारिश से हुए बड़े नुकसान के बारे में जानकारी दी गई। असम सरकार ने बाढ़ से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए केंद्र से एक विशेष पैकेज की मांग की है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, जिन्होंने पहले दिन से ही बचाव और राहत कार्यों की कमान संभाली थी, ने हाल ही में प्रभावित परिवारों के लिए कई राहत उपायों की घोषणा की, जिसमें अपनों को खोने वालों के लिए अतिरिक्त आर्थिक मदद भी शामिल है। मृतकों के परिवारों को पहले घोषित चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि के अलावा अब पांच लाख रुपये की अतिरिक्त राशि मिलेगी। इसके अलावा, बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में लापता हुए लोगों, जो 30 दिनों से अधिक समय से लापता हैं, के परिवारों को भी चार लाख रुपये की मदद मिलेगी। सरमा ने यह भी कहा कि बाढ़ से प्रभावित एक लाख से अधिक परिवारों को उनकी जरूरी जरूरतें पूरी करने के लिए तत्काल 15,000 रुपये प्रति परिवार दिए जाएंगे। प्रभावित इलाकों में रहने वाले 'अरुणोदय' योजना के लाभार्थियों और छात्रों को भी एकमुश्त आर्थिक मदद मिलेगी।

चाकू से घायल किशोर की इलाज के दौरान मौत, अस्पताल पर हंगामा

संवाददाता—देवरिया। चाकू लगने से घायल किशोर की बुधवार को शहर के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल पर इलाज में लापरवाही बरतने, मनमाना पैसा वसूलने और 18 यूनिट खून लेने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इसकी सूचना मिलते ही भाटपार सीओ, भटनी एसओ और सदर कोतवाल दर्जनों पुलिस कर्मियों के साथ अस्पताल पर पहुंच गए। कुछ ही देर में मृतक के परिजनों और रिश्तेदारों की भारी भीड़ लग गई। उन्होंने शव को पोस्टमार्टम लेकर जाने से रोक दिया। किसी तरह पुलिस अधिकारियों ने समझा—बूझाकर भीड़ को शांत कराया। भटनी थाना क्षेत्र के दक्षिणी रेलवे कॉलोनी निवासी सागर उर्फ भूवर (16) पुत्र रंजीत बांसफोर निवासी दक्षिणी रेलवे कॉलोनी के परिजनों के अनुसार मंगलवार रात करीब नौ बजे गांव में हुए विवाद के दौरान सागर पर चाकू से एक युवक ने हमला कर दिया।

घायल को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भटनी ले जाया गया। वहां से चिकित्सकों ने उसे महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत देखते हुए उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर भेजने की सलाह दी गई। परिजनों का आरोप है कि उसी दौरान एक निजी एंबुलेंस चालक उन्हें समझाकर शहर के सलेमपुर रोड स्थित एक निजी अस्पताल पर ले गया, जहां किशोर को भर्ती कर लिया गया। परिजनों के मुताबिक रातभर में करीब 18 यूनिट रक्त की व्यवस्था की गई और चिकित्सकों ने चार से पांच घंटे तक ऑपरेशन किया.

लेकिन बुधवार को उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि इलाज में लापरवाही के कारण किशोर की मौत हुई। इसकी जानकारी होते ही किशोर के परिजन और रिश्तेदार अस्पताल पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे। उनका आरोप था कि रात भर में 18 यूनिट ब्लड लेने के बाद भी किशोर की मौत हो गई। हंगामा की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी भाटपाररानी मनोज कुमार, सदर कोतवाल राकेश राय, भटनी थाना अध्यक्ष भारी पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंच गये। पुलिस अस्पताल प्रशासन परिजनों को समझने में लग रहे।

क्षेत्र बंटवारा को लेकर पनियरा थाने में जुटे किन्नर, हंगामा

संवाददाता—महराजगंज। शादी—विवाह एवं जन्मोत्सव जैसे मांगलिक अवसरों पर बधाई गाकर लोगों को आशीर्वाद देने वाले किन्नर समाज के लोग बुधवार को एक अनूठे विवाद को लेकर पनियरा थाने में एकत्र हुए। बातचीत के दौरान अचानक किन्नर हंगामा करने लगे। पर पुलिस कर्मियों ने सूझबूझ व धैर्य के साथ स्थिति को संभाल मामला शांत कराया। इसके बाद किन्नर वापस लौट गए। किन्नरों का यह मामला क्षेत्र बंटवारे को लेकर था। इसको लेकर विभिन्न क्षेत्रों से अपने गुरुओं के साथ करीब एक दर्जन वाहनों में सवार होकर बड़ी संख्या में किन्नर थाने पहुंचे थे। अचानक बड़ी संख्या में किन्नरों का जमावड़ा देख लोगों में कौतूहल मच गया। जानकारी के अनुसार क्षेत्र में नेग वसूलने की सीमा को लेकर पिछले तीन—चार दिनों से किन्नरों के दो गुटों के बीच खींचतान चल रही थी। इस विवाद को सुलझाने एवं अपनी—अपनी सीमाएं तय करने के उद्देश्य से दोनों पक्ष थाने पहुंचे थे। बातचीत के दौरान किसी बात को लेकर किन्नर आक्रोशित हो गए और हंगामा करने लगे। इससे कुछ देर के लिए स्थिति असहज होने लगी। हालांकि मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने बेहद सूझबूझ, धैर्य एवं संवेदनशीलता का परिचय देते हुए स्थिति को संभाला। माहौल शांत कराया। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा—बुझाकर शांतिपूर्वक अपनी बात रखने का अवसर दिया, जिससे मामला बिगड़ने नहीं पाया और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में आ गई। काफी देर तक चली बातचीत के बाद दोनों पक्षों के बीच क्षेत्र बंटवारे को लेकर सर्वसम्मति बन गई। आपसी बातचीत में किन्नरों ने छिटपुट विरोध को दरकिनार कर क्षेत्र की सीमा का निर्धारण किया और बहुमत के आधार पर सहमति जताई। आपसी रजामंदी कायम होने पर विवाद शांत हो गया। इसके बाद किन्नर समाज के लोग अपने—अपने वाहनों से वापस लौट गए। पनियरा पुलिस ने सभी को अपनी—अपनी सीमा तक सुरक्षित पहुंचाया। इस मामले में पनियरा थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह का कहना है कि किन्नर समुदाय के लोग क्षेत्र बंटवारा के लिए आए थे। आपसी सहमति के बाद सभी लोग शांतिपूर्वक चले गए।

तिवई हत्याकांडः आरोपी को आजीवन कारावास

संवाददाता—देवरिया। रुद्रपुर थाना क्षेत्र के तिवई गांव में वर्ष 2021 में हुए राहुल हरिजन हत्याकांड में बुधवार को अदालत ने फैसला सुनाया है। अपर जिला जज (एडीजे) नरेंद्र नाथ त्रिपाठी की अदालत ने आरोपी वकील प्रसाद को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर उसे दो वर्ष का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। इसके अलावा, आयुध अधिनियम के तहत भी दो वर्ष के साधारण कारावास और पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई है। एडीजीसी हरेंद्र प्रसाद निषाद के अनुसार, यह घटना 14 जुलाई 2021 की सुबह करीब छह बजे हुई थी। राहुल हरिजन गांव के समीप स्थित सैय्यद बाबा की मजार के पास बाग में शौच के लिए गया था। पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही वकील प्रसाद ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। आरोपी ने राहुल का गला रेतने के साथ उसके शरीर पर कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय आसपास मौजूद ग्रामीणों ने आरोपी को खून से सना चाकू लेकर भागते हुए देखा था। मृतक के पिता शत्रुघ्न हरिजन की तहरीर पर रुद्रपुर थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए, पंचायतनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया।

साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर सुनवाई पूरी होने के बाद सत्र न्यायालय ने वकील प्रसाद को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी ठहराया।

मण्डल स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में बस्ती का दबदबा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में मंडल स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन बुधवार को किया गया, जिसमें मंडल के दो जनपदों बस्ती और संतकबीरनगर की टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला क्रीड़ा अधिकारी दिलीप कुमार तथा आयोजक विद्यालय बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या मुस्लिमा खातून ने संयुक्त रूप से किया।

प्रतियोगिता में बस्ती जनपद से बालिका वर्ग की दो तथा बालक वर्ग की एक टीम ने हिस्सा लिया, जबकि संतकबीरनगर से बालक वर्ग की एक टीम ने प्रतिभाग किया। उद्घाटन मैच अंडर—19 बालक वर्ग में बस्ती और संतकबीरनगर के बीच खेला गया, जिसमें बस्ती की टीम विजयी रही। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अंडर—19 और अंडर—14 बालिका वर्ग में बस्ती की टीमों का चयन किया गया। वहीं अंडर—19 बालक वर्ग में दोनों जनपदों के खिलाड़ियों को मिलाकर संयुक्त टीम बनाई गई। बालिका वर्ग में बस्ती की दोनों टीमों को वॉकओवर मिलने के कारण उन्हें सीधे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित किया गया।

समापन अवसर पर आयोजक विद्यालय की प्रधानाचार्या ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों और अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों के चयनकर्ता वरिष्ठ शारीरिक शिक्षा शिक्षक प्रभाकर ओझा, रमेश चंद्र गुप्ता, विवेकानंद यादव और चंद्र प्रकाश पाण्डेय रहे। प्रतियोगिता का संचालन अजय कुमार वर्मा और माता प्रसाद त्रिपाठी की देखरेख में संपन्न हुआ, जबकि नाजिया और विकास सोनकर ने रेफरी की भूमिका निभाई।

इस अवसर पर शकील, रामचंद्र यादव, शबाना अंजुम, आरिफा खातून, रीता देवी, सावित्री उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

घरवालों से नाराज युवती मोबाइल टावर पर चढ़ी, पुलिस ने उतारा

संवाददाता—महराजगंज। फरेंदा थाना क्षेत्र के पिपरा तहसीलदार गांव में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब घरवालों से नाराज होकर एक युवती मोबाइल टॉवर पर चढ़ गई। टॉवर की ऊंचाई पर युवती को चढ़ा देखकर आसपास के लोगों में अफरा—तफरी मच गई। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जुट गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी समझा—बुझाकर युवती को सकुशल नीचे उतार लिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि वायरल वीडियो की सत्यता की हिन्दुस्तान पुष्टि नहीं करता है। बताया जा रहा है कि पारिवारिक विवाद के बाद युवती घर से नाराज होकर निकली और सीधे गांव में लगे मोबाइल टॉवर पर चढ़ गई। टॉवर पर चढ़ी युवती को देखकर लोगों में दहशत फैल गई। किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करते हुए युवती से लगातार बातचीत शुरू की और उसे सुरक्षित नीचे उतरने के लिए समझाना शुरू किया। काफी प्रयास के बाद पुलिसकर्मी युवती को सकुशल नीचे उतारने में सफल रहे। घटना के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर मौजूद रहे। कई लोगों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो अपने मोबाइल फोन में कैद कर लिया। वीडियो वायरल होने के बाद पूरे क्षेत्र में यह घटना चर्चा का विषय बनी हुई है। फरेंदा थानाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा पाया गया है। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित करने और लोगों की जान जोखिम में डालने के मामले को गंभीरता से लेते हुए युवती के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही घटना के सभी पहलुओं की जांच भी की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी पारिवारिक या व्यक्तिगत विवाद की स्थिति में कानून हाथ में लेने या ऐसा कदम उठाने से बचें, जिससे स्वयं की या अन्य लोगों की जान खतरे में पड़े। समय रहते पुलिस की कार्रवाई से युवती को सुरक्षित बचा लिया गया। किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई।

हाईवे पर कट की मांग को लेकर सड़क पर उतरे लोग, पीएनसी के खिलाफ प्रदर्शन

संवाददाता—महराजगंज। गोरखपुर—सोनौली हाईवे स्थित ग्राम बनकटी के पास कट की मांग को लेकर बुधवार को ग्रामीण सड़क पर उतर गए। कार्यदायी पीएनसी इंफ्राटेक के खिलाफ जोरदार नारेबाजी के बीच प्रदर्शन करते हुए कट की मांग की। एसडीएम फरेंदा को ज्ञापन सौंपकर व्यापक जनहित का हवाला देते हुए कट बनवाने के लिए पहल करने का अनुरोध किया। इस प्रदर्शन में बनकटी, सेखुई, ओड़वलिया, भरथीपुर सहित आसपास के कई गांवों के ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे। ग्रामीणों का कहना है कि हाईवे निर्माण के दौरान बनकटी के पास कट नहीं दिए जाने से क्षेत्र के हजारों लोगों का आवागमन प्रभावित हो जाएगा। कहा कि इसी मार्ग पर हॉस्पिटल, प्राथमिक विद्यालय, सिंचाई विभाग का कार्यालय तथा कई गांव स्थित हैं। कट नहीं होने के कारण लोगों को चार किलोमीटर से अधिक अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी, जिससे अधिक परेशानी मरीजों, विद्यार्थियों, किसानों और व्यापारियों को उठानी पड़ेगी।

ग्रामीणों ने बताया कि बनकटी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने के लिए 108 और 102 एंबुलेंस को भी लंबा चक्कर लगाना पड़ता है। आपात स्थिति में यह देरी गंभीर मरीजों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। साथ ही गलत दिशा से वाहन चलाने की मजबूरी के कारण दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। प्रदर्शन के दौरान फरेंदा थाने पर पहुंचे ग्रामीणों से एनएचएआई के अधिकारी मनीष से भी वार्ता हुई। उन्होंने बताया कि हाईवे पर कट दिए जाने का निर्णय उच्च अधिकारियों के स्तर पर लिया जाता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इस संबंध में उच्च अधिकारियों से वार्ता करें, तभी कट स्वीकृत किए जाने पर निर्णय संभव होगा।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकल सका। लोगों ने प्रशासन से जनहित में शीघ्र कार्रवाई कर कट स्वीकृत कराने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांग पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

पलिया शाहबदी में मियावाकी पद्धति से विकसित होगा संजीवनी उपवन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। नगर निगम अयोध्या और इंडिया पेस्टिसाइड्स लिमिटेड (आईपीएल) के संयुक्त प्रयास से सीएसआर फंड के माध्यम से पलिया शाहबदी क्षेत्र में मियावाकी पद्धति पर आधारित संजीवनी उपवन और जानकी जलाशय विकसित किया जाएगा। मंगलवार को भूमि पूजन के साथ इस महत्वाकांक्षी पर्यावरणीय परियोजना का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने की। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक कौशल किशोर तथा विशिष्ट अतिथि राज्य सूचना आयुक्त पी.एन. द्विवेदी रहे।प्रांत प्रचारक कौशल किशोर ने कहा कि रामनगरी को हरित एवं पर्यावरणीय दृष्टि से समृद्ध बनाने की दिशा में यह परियोजना मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है और जनसहभागिता से ही ऐसे प्रयास सफल हो सकते हैं।महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि नगर निगम शहर और आसपास के क्षेत्रों में हरित आवरण बढ़ाने के लिए लगातार उपवन विकसित कर रहा है। मियावाकी पद्धति से तैयार होने वाला संजीवनी उपवन कम स्थान में घना वन विकसित करने के साथ जैव विविधता को बढ़ावा देगा। वहीं जानकी जलाशय वर्षा जल संरक्षण, भूजल संवर्धन और स्थानीय पारिस्थितिकी को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।राज्य सूचना आयुक्त पी. एन. द्विवेदी ने कहा कि जानकी जलाशय जल संरक्षण के क्षेत्र में प्रेरणादायी मॉडल बनेगा और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक सिद्ध होगा।आईपीएल संस्था की ओर से कार्यक्रम का संचालन कर रहे पवन पांडे ने बताया कि परियोजना को चरणबद्ध तरीके से लगभग दो वर्षों में विकसित किया जाएगा। भूमि पूजन के साथ ही निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है और निर्धारित समयावधि में इसे पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।कार्यक्रम में इंडिया पेस्टिसाइड्स लिमिटेड के निदेशक विश्वास स्वरूप अग्रवाल, कंपनी के सीएसआर निदेशक रामकृष्ण सुब्रमण्यम सहित नगर निगम एवं आईपीएल के अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में रामकृष्ण सुब्रमण्यम ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

सोलर सिस्टम चोरी का पर्दाफाश, तीन शातिर चोर दबोचे, लाखों का सामान बरामद

संवाददाता—महराजगंज। भारत—नेपाल सीमा से सटे ठूठीबारी ठूठीबारी पुलिस ने सोलर सिस्टम चोरी के सनसनीखेज मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लाखों रुपये कीमत की चार ईस्टमैन कंपनी की बैटरियां, पांच पीवी पावर टेक कंपनी के सोलर पैनल, दो मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त एक हीरो स्प्लेंडर प्लस बाइक बरामद की है।

एसपी शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देशन में अपराधियों की गिरफ्तारी एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार उपनिरीक्षक दिनेश सिंह यादव अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से मिली सटीक सूचना पर ग्राम मैरी में दबिश देकर सोलर सिस्टम चोरी के आरोपितों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपितों में तबरेज अंसारी निवासी जमुईकला थाना ठूठीबारी, चन्द्रशेखर साहनी निवासी कटका थाना निचलौल तथा बलराम दूबे निवासी जमुई कला थाना ठूठीबारी शामिल हैं। पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर चोरी किया गया सोलर सिस्टम और अन्य सामान बरामद किया गया। बरामदगी में चार ईस्टमैन कंपनी की बैटरियां, पांच पीवी पावर टेक कंपनी के सोलर पैनल, दो मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त हीरो स्प्लेंडर प्लस बाइक शामिल है। पुलिस ने बाइक को मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया है। थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय चालान किया गया।

पोखरे में डूबने से युवक की मौत

संवाददाता—देवरिया। बरांव गांव में बुधवार सुबह एक युवक का शव गांव के माताधाम मंदिर के समीप स्थित पोखरे में उतराता मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान ज्ञान प्रकाश उर्फ बिट्टन पाण्डेय (34) पुत्र स्वर्गीय व्यास मुनि पाण्डेय, निवासी बरांव के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार वह सुबह शौच के लिए घर से निकला था। लगातार बारिश के कारण पोखरे के किनारे फिसलन हो गई थी। आशंका जताई जा रही है कि पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया। आसपास कोई मौजूद न होने के कारण समय पर घटना की जानकारी नहीं हो सकी।

सुबह ग्रामीणों ने पोखरे में शव उतराता देखा तो हड़कंप मच गया। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर मदनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को पोखरे से बाहर निकलवाया। मृतक के भाई बिट्टू पाण्डेय ने बताया कि बारिश के कारण पोखरे के किनारे काफी फिसलन थी, जिससे हादसा होने की आशंका है। परिवार में इस घटना के बाद शोक का माहौल है। मृतक के बड़े भाई रामआशीष पाण्डेय अपने पिता के निधन के बाद लोक निर्माण विभाग, गोरखपुर में कार्यरत हैं। थानाध्यक्ष नंदा प्रसाद ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। शव को विधिक कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ब्लॉक परिसर में दूसरे दिन भी जारी रहा धरना—प्रदर्शन

संवाददाता—गोण्डा। समाजसेवी अंकित शुक्ला के नेतृत्व में ब्लॉक परिसर में अनिश्चितकालीन धरना—प्रदर्शन दूसरे दिन बुधवार को भी जारी रहा। ब्लॉक परिसर में शौचालय, पेयजल व लोगों के बैठने की समुचित व्यवस्था न होने का मुद्दा उठाया। प्रशासन द्वारा समस्याओं का समाधान के संबंध में कोई पहल न करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए गोंडा—बहराइच मार्ग जाम करने की चेतावनी दी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की। अनशन पर बैठे अंकित शुक्ला ने कहा कि गोंडा—बहराइच मार्ग स्थित आर्यनगर चौराहा पर गोलंबर और पुलिस बूथ बनाने की सख्त जरूरत है। आर्यनगर बिजली उप केंद्र की क्षमता बढ़ाकर उपभोक्ताओं को लो वोल्टेज और अघोषित बिजली कटौती से निजात दिलाई जाई। यही नहीं करनैलगंज से पृथ्वीनाथ मंदिर तक कांवड़ पथ साफ सुथरा किए जाने, कौड़िया बाजार में नया ट्रांसफार्मर लगाने, खाद समस्या का स्थाई समाधान करने, कौड़िया में होम्योपैथिक चिकित्सालय भवन का निर्माण कराने, शुक्ला कौड़िया एवं जेठपुरवा ग्राम में विद्युतीकरण कराने की भी मांग उठाई।

इस मौके पर अमिताभ पाठक ,राहुल श्रीवास्तव, रवि शंकर ,शक्ति सिंह, संतोष पांडे,रामानुज ,भगत सिंह ,समीम, इंदल पासवान, बब्बन मिश्रा, पप्पू शुक्ला, लालू, नान बाबू, दीपक कृष्णा मिश्रा, सुभाष गौतम, नौशाद, हर्षित तिवारी, माधव राज तिवारी, रवि, शनि श्रीवास्तव, सुनील शुक्ला रहे।

पत्रकारिता और जनसेवा का संगमः आपकी ताकत के 21वें स्थापना दिवस पर व्यापक विमर्श

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। निष्पक्ष खबरों के लिए पहचाने जाने वाले समाचार पत्र आपकी ताकत का 21वाँ स्थापना दिवस और सावन का भंडारा अमानीगंज राम पथ रोड जलकल विभाग व शिव मंदिर के सामने त्रिवेणी सदन में धूमधाम से मनाया गया। संपादक अंतरिक्ष तिवारी के संयोजन में हुए इस कार्यक्रम में सभी दलों के नेताओं समाजसेवियों और प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों ने एक साथ आकर आपसी एकता का संदेश दिया।कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा संजीव सिंह प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय कांग्रेस जिलाध्यक्ष चेतनारायण सिंह वरिष्ठ भाजपा नेता अवधेश पांडे (बादल) भाजपा जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी पूर्व महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा युवा नेता आलोक कुमार सिंह उग्रसेन मिश्रा नामित पार्षद बबलू मिश्रा सपा महिला जिलाध्यक्ष सरोज यादव महापौर गिरीश पति त्रिपाठी पार्षद सौरभ सिंह वरिष्ठ पत्रकार इंदु भूषण पांडे समीर शाही राजेंद्र दुबे भानु प्रताप सिंह बम बम यादव प्रशांत शुक्ला अमित शर्मा मोनू रामनारायण जायसवाल प्रदीप पाठक अशोक तिवारी अजय श्रीवास्तव (अज्जू) रूपेश श्रीवास्तव आकाश सोनी बृजेश सिंह सुबोध श्रीवास्तव राकेश तिवारी रवि मौर्य अरविंद यादव संदीप श्रीवास्तव विपिन पांडे आदित्य वैश्य शिवाजी अग्रवाल अमरचंद यादव सोनू चौधरी स्कंद दास चंद्रधर द्विवेदी दिनेश पाठक वासुदेव यादव धर्मेंद्र सिंह संजय यादव अखिल पांडे आशु श्रीवास्तव बृजेश सेन लव पांडे महेंद्र उपाध्याय बृजेश तिवारी आशुतोष पाठक नौशाद आलम सहित कई पत्रकार और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। देर शाम तक क्षेत्र के प्रबुद्ध और सामाजिक लोगों का आना—जाना लगा रहा।संपादक अंतरिक्ष तिवारी ने आए हुए सभी अतिथियों और पत्रकारों को अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इसके बाद अतिथियों ने खुद अपने हाथों से लोगों को भंडारे का प्रसाद बांटा। भंडारे में लगभग ढाई से तीन हजार लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सभी ने आपकी ताकत समाचार पत्र के 21 साल पूरे होने पर बधाई दी और आगे भी इसी तरह तरक्की करने की शुभकामनाएं दीं।

दहेज उत्पीड़न में पति व सास—ससुर को तीन—तीन वर्ष की कैद

संवाददाता—महराजगंज। दहेज प्रताड़ना के एक मामले में अदालत ने महिला के पति एवं सास—ससुर को दोषी करार देते हुए तीन—तीन वर्ष के कारावास एवं 13—13 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड न देने पर दोषियों को तीन—तीन माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी।पत्रावली के मुताबिक जून 2022 में महिला थाना में आरोपित दीपक अग्रहरी पुत्र विजय अग्रहरी, विजय अग्रहरी पुत्र लुल्लुर व प्रतिमा पत्नी विजय निवासी धानी बाजार थाना बृजमनगंज के खिलाफ दहेज की मांग को लेकर विवाहिता के साथ मारपीट, प्रताड़ित करने एवं जान से मारने की धमकी के आरोप में केस दर्ज हुआ था। तत्कालीन विवेचक महिला थाना की एसओ कंचन राय ने विवेचना के बाद नवंबर 2022 में कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दिया। सुनवाई के दौरान पीओ प्रवेन्द्र दिवाकर ने पत्रावली में दर्ज साक्ष्य व सबूतों के आधार पर आरोपितों के खिलाफ सजा की मांग किया। सिविल जज (जूनियर डिवीजन)ध्अपर खंड न्यायालय—1 ने साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर तीनों को दोषी पाते हुए सजा सुनाई। 13—13 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया। आपरेशन कन्विक्शन के तहत कोर्ट मोहर्रिर कांस्टेबल पप्पू यादव व पैरोकार महिला कांस्टेबल किरन ने अभियोजन विभाग से समन्वय कर अरोपितों को सजा दिलाने में प्रभावी पैरवी की।

छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की जयंती मनाई गई

संवाददाता—बहराइच। पयागपुर के कैंप कार्यालय में समाजवादी आंदोलन के प्रमुख नेता और विचारक श्छोटे लोहियाश जनेश्वर मिश्र की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने जनेश्वर मिश्र के बताए समाजवादी आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र के जीवन और सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जनेश्वर मिश्र ने आजीवन शोषितों, वंचितों, किसानों और युवाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। डॉ. राममनोहर लोहिया के विचारों को जन—जन तक पहुँचाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसके कारण उन्हें श्छोटे लोहियाश की उपाधि मिली थी। श्रद्धांजलि सभा में समाजवादी मूल्यों को मजबूत करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि जनेश्वर मिश्र के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और वे भावी पीढ़ियों को संघर्ष तथा ईमानदारी का मार्ग दिखाते रहेंगे। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ता बसंत सिंह, मालिक राम शर्मा, राम सुरेश यादव, विष्णु यादव सहित कई स्थानीय क्षेत्रवासी और पार्टी समर्थक उपस्थित रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर महान समाजवादी नेता को याद किया।

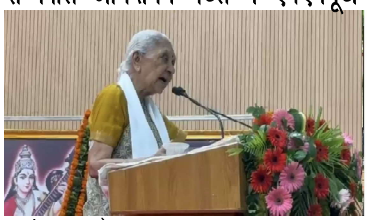

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने एमएमयूटी दीक्षा समारोह में कहा, डिग्री के साथ चरित्र निर्माण भी जरूरी

संवाददाता–गोरखपुर। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) में शिरकत करने पहुंची उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की दो तस्वीरें दिखाईं। उन्होंने शुरुआत में विश्वविद्यालय की जमकर तारीफ की लेकिन अंत में उन्होंने विश्वविद्यालय में कमियों को गिनाया। उन्होंने छात्रों से कहा कि बंद कीजिए शराब सिगरेट, मां–बाप पढ़ने भेजे हैं, इसके साथ साथ उन्होंने कॉलेज में कमियों को दूर करने के लिए समिति बनाने की बात कही है। खास बात ये है कि राज्यपाल ने उस समिति में 1–2 स्टूडेंट्स को जोड़ने के लिए कहीं है। इस समारोह में उनका जोरदार स्वागत हुआ। इसके बाद उन्होंने मंच पर पहुंचकर आर्यभट्ट हॉल का लोकार्पण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की जमकर तारीफ की। बच्चों में है अपार प्रतिभा

उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों में बहुत प्रतिभा है। अगर उन्हें सही समय पर अवसर और मंच मिलता रहा, तो यही बच्चे भविष्य में वैज्ञानिक, शिक्षक, जनप्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्रों के सफल नेतृत्वकर्ता बनकर विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि अभी तो मैं हर यूनिवर्सिटी का भवन देख रहीं हूं। कैसे ये भवन बन रहे हैं। कैसी डिजाइन है। यहां पर अभी 3 भवन बन रहे हैं। कहां पर क्या बनाना चाहिए। कोई भी संबंध न तो कुलपति से है न ही डिपार्टमेंट से कोई। मुख्यमंत्री 300 करोड़ दे देंगे तो 300 करोड़ का भवन बन जाता है। 200 देंगे तो 200 का बन जाएगा। तकनीकी शिक्षा मंत्री आशीष पटेल मंच पर थे उनकी तरफ इशारा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि– आप तय करिए की क्या बनेगा और कैसे बनेगा। यहां पर इतना बड़ा कोरोडोर क्यों बना है। 2 मंजिला भवन बना है वहां पर लाइब्रेरी है। कोई बच्चा नहीं जा सकता वहाँ क्यों। क्या जरूरत है वहाँ पर। कोई जवाब नहीं दे पाते है। पैसा मिला है तो इसका मतलब नहीं है की कहीं भी कुछ भी बना दें। सरोजनी छात्रावास में क्षमता से अधिक बच्चे हैं। नया छात्रावास बनने से राहत मिलेगी। कस्तूरबा छात्रावास में ए और बी ब्लॉक में 3 साल से गंदगी बनी हुई है। क्यों आप लोगों को टाइम नहीं है सफाई करने का। छात्रों से मिलने आने वाले घर के लोगों को बैठने का कोई सुविधा नहीं है। रोड पर मिलना पड़ता है। रमन बॉय्ज हॉस्टल के कूड़े में शराब की बोतल और सिगरेट के पैकेट मिल रहे। इसका मतलब यही हुआ कि अंदर शराब चल रहा है। इधर हमारे प्रधानमंत्री नशा मुक्ति अभियान चला रहे हैं। क्या एफेक्ट नहीं होता होगा। बंद करिए ये सब। अभी भवन के पास गंदगी और बड़े घास फैली हुई है। कुत्ते हॉस्टल में घूम रहे हैं। नया ऑडिटोरियम 2015 से बन रहा है, अभी तक बन नहीं पाया। 10 साल हो गया, क्यों नहीं बना पैसा नहीं पहुंचा होगा। सब पता है मुझे। इसके साथ साथ उन्होंने कॉलेज में कमियों को दूर करने के लिए समिति बनाने की बात कही है। खास बात ये है कि राज्यपाल ने उस समिति में 1–2 स्टूडेंट्स को जोड़ने के लिए कहीं हैं।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विद्यार्थियों का लक्ष्य सिर्फ डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि अच्छा चरित्र बनाना भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा तभी सफल है, जब उसका उपयोग समाज और देश की भलाई के लिए किया जाए। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं, खासकर बेटियों की बड़ी भूमिका होगी। राज्यपाल ने बताया कि इस वर्ष एमएमएमयूटी के दीक्षांत समारोह में 60 प्रतिशत छात्राओं और 40 प्रतिशत छात्रों को उपाधियां मिली हैं। उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण का अच्छा उदाहरण बताया और कहा कि बेटियों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए जरूरी कौशल सीखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जहां कई बेटियां शिक्षा के जरिए देश का भविष्य बना रही हैं, वहीं कुछ महिलाएं अपराध के कारण जेलों में भी हैं। इस विषय पर विश्वविद्यालयों में चर्चा होनी चाहिए, ताकि युवाओं में नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना बढ़े। राज्यपाल ने कहा कि हर काम का सम्मान होना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति ईमानदारी से छोटा काम भी करता है, तो उसकी सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों से जल संरक्षण, बिजली बचाने और सौर ऊर्जा के अधिक उपयोग के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों के इस दिशा में किए गए कार्यों की जानकारी ली जाएगी। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय से अपील की कि जिन पांच गांवों को गोद लिया गया है, वहां विशेष अभियान चलाकर उन्हें नशामुक्त बनाया जाए। इससे आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित होगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

समारोह में परिषदीय विद्यालयों के बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की राज्यपाल ने खूब प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बच्चों ने प्रेरणादायक कहानियां प्रस्तुत कीं, जिनमें से कई उन्होंने पहली बार सुनीं। राज्यपाल ने घोषणा की कि इन प्रेरक कहानियों को पुस्तक के रूप में प्रकाशित कराया जाएगा और सभी विद्यालयों में वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों में बहुत प्रतिभा है। अगर उन्हें सही समय पर अवसर और मंच मिलता रहा, तो यही बच्चे भविष्य में वैज्ञानिक, शिक्षक, जनप्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्रों के सफल नेतृत्वकर्ता बनकर विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

रंगदारी मांगने पर पीपीगंज व्यापार मंडल अध्यक्ष समेत तीन गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। मुंबई के स्वर्ण कारोबारी दादा साहब हांके के कथित रूप से करोड़ों रुपये के आभूषण लेकर फरार होने के मामले में नया मोड़ आ गया है। इस प्रकरण में पीपीगंज के एक स्वर्ण कारीगर की तहरीर पर नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष समेत तीन लोगों के खिलाफ रंगदारी, जबरन वसूली, धमकी और फिरौती मांगने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से आठ लाख रुपये नकद और करीब 25 ग्राम सोना बरामद करने का दावा किया है। सभी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

महाराष्ट्र के सतारा जिले के निवासी महेश श्रीरंग जाधव कई वर्षों से पीपीगंज में सोना गलाने और टंच करने का काम करते हैं। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि मंगलवार सुबह जितेंद्र वर्मा उन्हें जान से मारने की धमकी देकर भगवानपुर स्थित एक दुकान पर ले गया, जहां पहले से नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष सचिन वर्मा और राज निषाद मौजूद थे। तीनों ने उन पर और संतोष जायसवाल पर दादा साहब हांके के फरार होने तथा सोना गलाने में संलिप्त होने का आरोप लगाते हुए दबाव बनाया।महेश का आरोप है कि उनका दादा साहब हांके से कोई संबंध नहीं है, फिर भी झूठे मुकदमे में फंसाने और जेल भेजने की धमकी देकर उनसे आठ लाख रुपये नकद और करीब 25 ग्राम सोना जबरन ले लिया गया। उनका कहना है कि पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। फुटेज और फोन कॉल रिकॉर्डिंग पुलिस को उपलब्ध करा दी गई है।तहरीर के अनुसार आरोपित पहले दुकान से 3.50 लाख रुपये नकद, सोने की चेन, अंगूठी और करीब 25 ग्राम सोना ले गए। बाद में महेश ने अपने भाई से दो लाख रुपये, एक परिचित स्वर्ण कारोबारी से दो लाख रुपये और घर से एक लाख रुपये मंगवाकर दिए। इस तरह कुल आठ लाख रुपये नकद और करीब 2.60 लाख रुपये मूल्य का सोना कथित रूप से वसूला गया।एसएसपी के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी अनुराग सिंह की जांच के बाद पीपीगंज पुलिस ने सचिन वर्मा, जितेंद्र वर्मा और राज निषाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। बुधवार तड़के तीनों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से आठ लाख रुपये और 25 ग्राम सोना बरामद किया गया। थानाध्यक्ष कमलेश प्रताप सिंह ने बताया कि आरोपितों के खिलाफ रंगदारी का मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

5 बच्चों की मां की प्रेमी से कराई शादी, पति ने अपने सामने मांग भरवाई, 21 साल पहले लव मैरिज की थी

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में पति–पत्नी के रिश्ते से जुड़ा एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसकी चर्चा पूरे इलाके में हो रही है। धनघटा थाना क्षेत्र के डेवरी गांव में एक पति ने अपनी पत्नी का विवाह उसके प्रेमी से मंदिर में करा दिया। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था और इसे लेकर परिवार में विवाद चल रहा था। जानकारी के मुताबिक, डेवरी गांव निवासी बुद्धिराम निषाद और फूलमती की शादी करीब 21 साल पहले हुई थी। दोनों ने प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद उनके पांच बच्चे हुए। पिछले कुछ समय से फूलमती का गांव के ही अवधेश नाम के युवक के साथ प्रेम–प्रसंग चल रहा था। मामला बढ़ने के बाद करीब दो महीने पहले फूलमती घर छोड़कर अवधेश के साथ चली गई थी। बाद में परिजनों और ग्रामीणों के समझाने पर फूलमती वापस घर लौटी, लेकिन इसके बावजूद पति–पत्नी के बीच विवाद खत्म नहीं हुआ। लगातार चल रहे पारिवारिक तनाव के बीच बुद्धिराम ने पत्नी की इच्छा को स्वीकार करते हुए अलग रास्ता अपनाने का फैसला किया। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों की मौजूदगी में फूलमती और अवधेश के विवाह की तैयारी की गई।

फूलमती और अवधेश का विवाह अशरफपुर स्थित शिव मंदिर में कराया गया। इस दौरान परिवार के लोगों और ग्रामीणों की मौजूदगी रही। शादी की रस्म पूरी होने के बाद बुद्धिराम ने दोनों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें साथ विदा कर दिया। पति के इस फैसले की जानकारी सामने आने के बाद गांव से लेकर आसपास के क्षेत्र तक यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। बुद्धिराम ने बताया कि करीब 21 साल पहले उसने भी फूलमती से प्रेम विवाह किया था। उसके मुताबिक, अब पत्नी का मन उसके साथ नहीं था और वह किसी दूसरे व्यक्ति के साथ अपना जीवन बिताना चाहती थी। ऐसे में उसने पत्नी की इच्छा का सम्मान करने का फैसला किया। बुद्धिराम का कहना है कि वह अब किसी तरह का विवाद नहीं चाहता और शांति से अपना जीवन बिताना चाहता है।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच सबसे बड़ा सवाल पांच बच्चों की देखभाल और उनके भविष्य को लेकर उठ रहा है। माता–पिता के रिश्ते में आए इस बदलाव का बच्चों पर क्या असर पड़ेगा और उनकी जिम्मेदारी आगे किस तरह निभाई जाएगी, यह गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में बच्चों की वर्तमान स्थिति और उनकी देखभाल को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। बुद्धिराम का कहना है कि जब पत्नी उसके साथ नहीं रहना चाहती थी और किसी अन्य व्यक्ति के साथ अपना जीवन बिताने की इच्छा रखती थी, तो उसने उसकी खुशी को स्वीकार कर लिया। उसका कहना है कि वह अब विवाद से दूर रहकर शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहता है। पत्नी की खुशी के लिए उठाए गए इस कदम को लेकर गांव में तरह–तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

वहीं, फूलमती और अवधेश के विवाह के बाद यह मामला इलाके में चर्चा का केंद्र बन गया है। 21 साल पुराने वैवाहिक रिश्ते के खत्म होने और पति द्वारा खुद पत्नी की उसके प्रेमी से शादी कराने की घटना को लोग अलग–अलग नजरिए से देख रहे हैं। पांच बच्चों वाले इस परिवार की आगे की जिंदगी कैसी होगी, इस पर भी ग्रामीणों की नजर बनी हुई है। फिलहाल, इस अनोखी शादी की चर्चा संतकबीरनगर के डेवरी गांव और आसपास के इलाके में बनी हुई है। पति के फैसले ने जहां लोगों को हैरान किया है, वहीं पांच बच्चों की जिम्मेदारी और परिवार के भविष्य को लेकर कई सवाल भी खड़े हो गए हैं।

46वें स्थान से आगे बढ़ने की तैयारी, निपुण लक्ष्य पर शिक्षा विभाग का मंथन

संवाददाता–गोरखपुर। परिषदीय विद्यालयों के अधिक से अधिक बच्चों को निपुण बनाने और प्रदेश की रैंकिंग में सुधार लाने के उद्देश्य से बुधवार को हर्ष वाटिका में निपुण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में बेसिक शिक्षा अधिकारी धीरेंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में खंड शिक्षा अधिकारियों, जिला समन्वयक, एसआरजी (स्टेट रिसोर्स ग्रुप), एआरपी (एकेडमिक रिसोर्स पर्सन) और अन्य शैक्षिक अधिकारियों ने भाग लिया। पिछले वर्ष निपुण लक्ष्य की प्राप्ति में गोरखपुर को प्रदेश में 46वां स्थान मिला था। हालांकि यह रैंक पिछले कुछ वर्षों में बढ़ा है, इस बार रैंकिंग में और सुधार लाने के लिए विशेष रणनीति तैयार की जा रही है। कार्यशाला में शिक्षकों और एआरपी को विद्यालय स्तर पर बच्चों की सीखने की क्षमता बढ़ाने, भाषा और गणित की बुनियादी दक्षताओं पर विशेष ध्यान देने तथा नियमित आकलन के आधार पर कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। धीरेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि लक्ष्य केवल रैंकिंग सुधारना नहीं, बल्कि हर बच्चे को निपुण बनाना है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी राधिका पत्नी सालिक राम ग्राम व पोस्ट– बढनी जनपद बस्ती उ.प्र. की निवासिनी है। एक एलआईसी की पालिसी में मेरा नाम शकुन्तला दर्ज है। शकुन्तला और राधिका दोनों मेरा नाम है। मेरा आधारकार्ड एवं अन्य अभिलेख राधिका के नाम से है। मुझे अब राधिका के नाम से जाना व पहचाना जाय।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– /2026
धारा 30 (2) उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान मुख्य राजस्व अधिकारी बस्ती जिला–बस्ती
राम सजीवन आदि
बनाम
अमरदीप आदि
बावत मौजा नूरचक, तप्पा–पिलाई, परगना–नगर पूरब, तहसील व जिला–बस्ती
1 1. अमरदीप 2. प्रेमदीप 3. सकलदीप 4. कुशलदीप पुत्रगण रामसूरत 5. मोल्हू पुत्र चैतू निवासीगण ग्राम–नूरचक, तप्पा–पिलाई परगना–नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती 6. जितेन्द्र पुत्र राम दुलारे 7. श्रीमती चिमनी वेवा रामदुलारे 8. श्रीमती रेशमा देवी वेवा छोटेलाल 9. जमुना प्रसाद 10. गंगा प्रसाद 11 सूरज प्रसाद 12. मोहित कुमार 13. सुनील कुमार पुत्रगण छोटेलाल 14. चन्द्र प्रकाश 15. राम प्रकाश 16. ओम प्रकाश पुत्रगण मेवालाल 17 सुबाष चन्द्र 18. हरिश्चन्द्र पुत्रगण बाबूलाल निवासीगण ग्राम–नूरचक, तप्पा–पिलाई, परगना–नगर पूरब, तहसील व जिला–बस्ती 19. सौरभ कुमार पुत्र पतिराम 20. सीतापति वेवा छोटेलाल 21. केदारनाथ 22. प्रेमनाथ 23. श्रीनाथ पुत्रगण छोटेलाल 24. दिलीप मोहम्मद 25. मोहम्मद गुलाम 26. मोहर अली पुत्रगण जकुरूल्लाह 27. रामदेव पुत्र गुदरी 28. लाली वेवा बुद्धिराम 29. काशीराम 30. बाबूराम 31. दयाशंकर पुत्रगण बुद्धिराम 33. राजेश कुमार पुत्र राम सहाय 34. उमा शंकर पुत्र राम आसरे 35. मुनिराम पुत्र राम केशरे 36. सुबस्ता वेवा रामलखन 37. फूलचन्द्र 38. रमेश पुत्रगण राम लखन 39. श्रीमती प्रेमा वेवा राम नरेश 40. सियाराम 41. श्रीराम पुत्रगण राम नरेश 42. दानिश अख्तर पुत्र नसीर अहमद 43. रेहाना खातून पत्नी नसीर अहमद 44. तुफैल अहमद पुत्र अब्दुल रउफ 46/1 नदीम 46/2 जीशान 46/3 सलमान पुत्रगण नसीम 47. अकील अहमद पुत्र इरशाद 48. शाहिद पुत्र इरशाद 49/1 सुहैल अहमद 49/2 जुनैद अहमद पुत्रगण मो0 यासीन 50. शादिया खातून पुत्री अदील अहमद 51. जीशान अहमद 52. नदीम अख्तर 53. मो० सुलेमान पुत्रगण मो० अनीस 54. गुड्डू पुत्र नईम निवासीगण ग्राम–नूरचक, तप्पा–पिलाई, परगना–नगर पूरब, हसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–08–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 10 माह 08 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। –द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–382/2083
राम शंकर
बनाम
हरिशंकर
9/1/1/1 सुशीला देवी पत्नी चन्द्र प्रकाश 9/1/1/2 उत्कर्ष पाठक पुत्र चन्द्र प्रकाश 9/1/1/3 कु0 रिया 9/1/1/4 कु0 मीनाक्षी पुत्रीगण चन्द्र प्रकाश 9/1/1/5 शशिकला पत्नी अंकुर पाठक पुत्र बधू चन्द्र प्रकाश 9/1/1/6 अविराम पाठक पुत्र अंकुर पाठक पौत्र चन्द्र प्रकाश नाबालिग बवालयत शशिकला माता हकीकी साकिन परजूडीह तप्पा बखिरा परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 07–08–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 07 माह 08 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–284/2024
राजमणि उर्फ राजमन
बनाम
अब्दुल क्यूम आदि
1. अब्दुल क्यूम पुत्र इस्लाम 2. श्रीमती शाहजहॉं पत्नी फारूख 3. बेद प्रकाश पुत्र राजेश्वरी प्रसाद ग्राम चकवई 4. सुन्नत निशा उर्फ सदरूनिशा पत्नी इस्लाम
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
5. विजय बहादुर 6. राज बहादुर 7. राकेश कुमार 8. राजेश कुमार पुत्रगण स्व0 तिलकराम 9. श्रीमती यशोदा देवी पत्नी स्व0 तिलकराम
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
साकिनान मौजा हरदिया तप्पा रौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 05–08–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 08 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का देसके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद संख्या 260/2024
जमील अहमद
बनाम
दिनेश आदि
1. दिनेश उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र फूलचन्द्र ग्राम बानपुर तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 2. हाजन्निशा उम्र लगभग 67 वर्ष पत्नी शाहिद अली उर्फ लल्लन ग्राम बानपुर तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 08–10–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का देसके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0 185/2026
अनिरूध कुमार–सायल
1–अनिरूध कुमार उम्र लगभग 24 वर्ष पुत्र स्व0 श्री राम स्वारथ निवासी ग्राम हरदिया बुजुर्ग तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 07–08–2026

दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 07–08–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद संख्या 326/2025
शिव प्रकाश आदि
बनाम
राम कपिल आदि
1. राम कपिल उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र राम कोमल 2. राम भोग उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र मंगरू 3. दीपक उम्र लगभग 32 वर्ष पुत्र रामधनी साकिनान सिल्हो तप्पा जगरनाथपुर परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 08–10–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का देसके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
क0 वाद सं0– D202517630001510
धारा 30 (1) उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय सिद्धार्थनगर
निजार अहमद
बनाम
सरकार
बावत मौजा करौदा तप्पा डबरा परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ जिला सिद्धार्थनगर
1. नफीस अहमद पुत्र युनुस मोहम्मद 2. मोहम्मद असलम पुत्र नफील मोहम्मद 3. मो0 युनुस पुत्र सफी मो0 4. फते मोहम्मद पुत्र जलील 5. अ0 जब्बार पुत्र जलील 6. मुस्तकीम पुत्र शाह मोहम्मद 7. मोहम्मद परवेज पुत्र नफील मोहम्मद 8. रूखसाना पत्नी नफील मोहम्मद साकिनान मौजा करौदा तप्पा डबरा परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 04–08–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 04 माह 08 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 29 माह 07 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

पूर्वोत्तर रेलवे ई–ऑक्शन नोटिस सं0–LIN- PRKG-28-26

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाo), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस के ई–ऑक्शन के माध्यम से ई–ऑक्शन आमंत्रित की जाती है–

क्र.सं.	लाट सं.	कार्य का विवरण
1	PARKING-LJN-SNC-MX-121-25-1 (Parking - Mixed)	स्वामी नारायण छपिया स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साइकिल, मोटर साइकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्राली) का ठेका 03 वर्ष हेतु।
2	PARKING-LJN-BNZ-MX-129-25-1 (Parking - Mixed)	बादशाहनगर स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार साईड स्थित संयुक्त पार्किंग (साइकिल, मोटर साइकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्राली) का ठेका 03 वर्ष हेतु।
3	PARKING-LJN-GKP-PR-147-26-1 (Parking - Mixed)	महायोगी गोरखनाथ एयरपोर्ट, गोरखपुर के समीप इलेक्ट्रिक लोको शेड में स्थित प्रीमियम पार्किंग (दो पहिया, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 03 वर्ष हेतु।

निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई–ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। ireps पोर्टल पर दिये गये तिथि/ समय के अनुसार सभी लॉट के ई–ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होंगे। सभी लॉट के लिये ई–ऑक्शन दि0–14-08-2026, 12.00 बजे प्रारंभ होकर 14-08-2026, 12.50 बजे बंद होगी। इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। अर्नेस्ट मनी की राशि (10%) का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर टेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे–डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा, नियम व शर्तों को सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in (E-Auction module) पर उपलब्ध है।

मुजाहि/वाणिज्य–102 सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com